पिछले वर्ष 500 को नोटिस दिया था, तोड़ा एक भी नहीं

नियंत्रण कक्ष बनाया, भूल गए जर्जर आवास पर नोटिस देना

रतलाम. प्रतिवर्ष नगर निगम शहर के जर्जर आवास का सर्वे करके उनके स्वामियों को नोटिस जारी करता है। इस बार कोरोना का समय आया व सबकुछ लॉकडाउन रहा तो नगर निगम भी जर्जर आवास के नोटिस जारी करना भूल गया। हालांकि निगम आयुक्त ने आपदा प्रबंधक के लिए जिम्मेदारी सौंपते हुए नियंत्रण कक्ष बनाया है। पिछले वर्ष नगर निगम ने 500 से अधिक जर्जर आवास को नोटिस जारी किए थे। हालांकि इनमे से एक भी आवास तोड़ा नहीं गया था। जिनको पिछले वर्ष नोटिस जारी हुए थे, वे भी अब भी कायम हैं। जबकि एक आवास के गिरने से तीन की मौत हो चुकी है।

नगर निगम हर वर्ष करीब 450 से 500 आवास को नोटिस जारी करता है। इनमे कसारा बाजार, धानमंडी, पुराना दमकल कार्यालय का आवास क्षेत्र वो है जहां स्थायी रुप से नोटिस तो जारी हो रहे हैं,

लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं की गई है। इस बार तो नगर निगम को अप्रैल माह में सर्व करना था, लेकिन वो सर्वे करना ही भूल गया। अब बारिश में जब 20 दिन शेष रह गए है तब निगम को आपदा की याद आई है। निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने आपदा प्रबंधन एवं राहत कार्य के लिये नियंत्रण कक्ष जिसका दूरभाष नम्बर 07412-270563 स्थापित कर उपयंत्रियों एवं सहायक कर्मचारियों की ड्यूटी लगाये जाने के निर्देश जारी किए है।

अब होगा शुरू कार्य

जर्जर आवास का सर्वे कार्य अब शुरू किया जाएगा। सर्वे के बाद नोटिस जारी किए जाएंगे। सर्वे कार्य के लिए तैयारी शुरू हो गई है।

- जीके जायसवाल, सिटी इंजीनियर, नगर निगम

4/5/21

26-5-2021

52 नए पाजिटिव और एक की मौत

रतलाम। किल कोरोना अभियान के तहत जांच का दायरा बढ़ा दिया गया है। बीते 16 दिनों से लगातार नए कोरोना मरीजों की संख्या घट रही है और स्वस्थ होने वालों की संख्या बढ़ रही है। मौत का आंकड़ा भी दो दिन से कम है।

मई माह के 25वें दिन मंगलवार को 52 नए पाजिटिव केस सामने आए। एक की मौत हुई। 241 मरीजों को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया गया। अब एक्टिव मरीजों की संख्या 1654 है।

जिले में अब तक 17100 पाजिटिव केस सामने आ चुके हैं, वहीं 15148 मरीजों को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया जा चुका है। मौत का कुल आंकड़ा 298 पर पहुंच गया है।

हर मरीज की जानकारी मोबाइल पर मिलेगी

मेडिकल कालेज में व्यवस्था

- विधायक चेतन्य काश्यप के पुत्रों ने तैयार करवाया साफ्टवेयर
- कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम को दिखाया मुंबई से प्रेजेंटेशन

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। कोरोना काल में मरीजों के भर्ती होने से लेकर उपचार और डिस्चार्ज होने तक की सभी जानकारी अब मोबाइल पर मिल जाएगी। इसके लिए शहर विधायक चेतन्य काश्यप के पुत्रों सिद्धार्थ काश्यप व श्रवण काश्यप के मार्गदर्शन में साफ्टवेयर इंजीनियरों की टीम ने एक साफ्टवेयर तैयार किया है। इसका प्रेजेंटेशन कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम व अन्य अधिकारियों को मुंबई से दिखाया गया।

विधायक काश्यप ने बताया कि मेडिकल कालेज के अस्पताल में उपचाररत मरीजों के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को लेकर अभी स्वजनों के परेशान होने की सूचनाएं लगातार आ रही थी। इस परेशानी को दूर करने व मरीज की हर जानकारी स्वजन को सहज सुलभ करवाने के उद्देश्य से यह साफ्टवेयर और वेब एप तैयार की गई है।

इसमें मेडिकल कालेज के अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों के साथ-साथ होम आइसोलेशन में रहने वाले कोरोना मरीजों की जानकारी भी रहेगी। साफ्टवेयर के मुताबिक अस्पताल में एडमिशन से डिस्चार्ज तक मरीज की हर स्थिति अपडेट होगी। एडमिशन करवाते समय दर्ज मोबाइल नंबर पर मरीज के स्वजन आक्सीजन का लेवल, उपचार संबंधी जानकारी और जांच रिपोर्टों की जानकारी वेब एप के माध्यम से अपने फोन पर लगातार देख सकेंगे। अस्पताल के हर फ्लोर पर एक कंप्यूटर सिस्टम रहेगा। इसके माध्यम से हर मरीज की जानकारी उसके बेड क्रमांक अनुसार दिन में तीन बार अपडेट की जाएगी। मरीज के मेडिकल कालेज में दाखिल होते ही आइडी बनाई जाएगी और उस पर तीन-चार घंटे में स्वास्थ्य संबंधी जानकारी अपडेट होती रहेगी। मरीज के स्वजन पिछले तीन बार की स्थिति की जानकारी मोबाइल पर प्राप्त कर सकेंगे।

इसी प्रकार होम आइसोलेशन में रहने वाले मरीज अपने फोन पर आक्सीजन बुखार आदि की स्थिति अपडेट करेंगे जो कि कंट्रोल रूम को प्राप्त हो जाएगी। इस साफ्टवेयर और वेब ऐप का प्रेजेंटेशन कलेक्टोरेट के एनआइसी कक्ष में बैठकर कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने देखा। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर शिवाली जैन, डा. प्रमोद प्रजापति, डा. गौरव बोरीवाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पॉजिटिविटी रेट घटकर 3.4 पर आई, अनलॉक 1 जून से

पीपुल्स ब्यूरो • भोपाल

मो.नं. 9425174141

26-5-21

मंगलवार को प्रदेश में कोरोना संक्रमण का ग्राफ और नीचे आ गया। पिछले 24 घंटे में 7373 मरीज स्वस्थ हुए, जबकि नए प्रकरणों की संख्या 2422 रही। प्रदेश में 7 दिनों का पॉजिटिविटी रेट 5 प्रतिशत और 25 मई को 3.4 फीसदी रहा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को मंत्रालय में कोरोना पर समीक्षा की। उन्होंने कहा कि न्यूनतम संक्रमण वाले 5 जिलों बुरहानपुर, खंडवा, झाबुआ, अलीराजपुर तथा भिंड में आंशिक अनलॉक किया गया है। बाकी जिलों में भी 1 जून से अनलॉक की प्रक्रिया प्रारंभ होगी।

अब तीन जिलों में ही 100 से अधिक प्रकरण

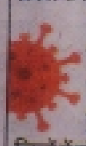

प्रदेश के तीन जिलों में 100 से अधिक मरीज पॉजिटिव मिले। इनमें इंदौर 648, भोपाल 529 तथा ग्वालियर में 115 नए प्रकरण हैं। वैसे सभी 52 जिलों में संक्रमण अब 10% नीचे आ गया है। मात्र 7 जिलों इंदौर, भोपाल, सागर, रतलाम, रीवा, अनूपपुर तथा सीधी में ही साप्ताहिक पॉजिटिविटी रेट 5% से अधिक है। प्रदेश के शेष 45 जिलों में संक्रमण 5% या उससे कम है। कोविड उपचार योजना में आज की स्थिति में 9 करोड़ 5 लाख 43 हजार रुपए व्यय किया गया है।

मुख्यमंत्री कोविड-19 अनुकंपा नियुक्ति योजना मंजूर

अब किसी भी कर्मचारी की कोविड से मौत पर आश्रित को अनुकंपा नियुक्ति

शिवराज **कैबिनेट**

ऐसी व्यवस्था सिर्फ मप्र में

पीपुल्स ब्यूरो • भोपाल

मो.नं. 9425174141

26-5-21

मध्यप्रदेश, देश का पहला राज्य बन गया है, जहां किसी भी श्रेणी के कर्मचारी की कोरोना से मौत होने पर उसके पात्र आश्रित को अनुकंपा नियुक्ति मिलेगी। मंगलवार को शिवराज कैबिनेट ने मुख्यमंत्री कोविड-19 अनुकंपा नियुक्ति योजना लागू करने का फैसला लिया।

सरकार के प्रवक्ता डॉ.नरोत्तम मिश्रा ने बताया कि कोविड-19 महामारी के दौरान, राज्य शासन के नियोजन में कार्यरत नियमित, स्थाईकर्मी, कार्यभारित एवं आकस्मिकता से वेतन पाने वाले, दैनिक वेतनभोगी, तदर्थ, संविदा, कलेक्टर दर, आउटसोर्स, मानदेय के रूप में कार्यरत शासकीय सेवक, सेवायुक्त, जिनकी शासकीय सेवा में कार्यरत रहने के दौरान मृत्यु हो जाती है, उनके पात्र आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति दी जाएगी।

एक करोड़ डोज के लिए होगा ग्लोबल टेंडर

कैबिनेट ने निर्णय लिया है कि 18 से 44 वर्ष आयु वर्ग के व्यक्तियों को कोविड-19 का टीका लगाने के लिए ग्लोबल टेंडर के माध्यम से एक करोड़ वैक्सीन डोज खरीद जाएंगे। इसके लिए मध्यप्रदेश हेल्थ कार्पोरेशन को अधिकृत किया गया। वैक्सीन के लिए उच्च-स्तरीय समिति बनेगी।

25% पद सीधी भर्ती से नियुक्त होंगे विशेषज्ञ चिकित्सक

स्वास्थ्य विभाग में 25 प्रतिशत पद सीधी भर्ती से और शेष 75 प्रतिशत पहले की तरह पदोन्नति से भरे जाएंगे। कैबिनेट ने विभागीय भर्ती नियमों में प्रथम श्रेणी विशेषज्ञों के स्वीकृत पदों पर 100 प्रतिशत पदोन्नति संबंधी प्रावधान में संशोधन करने का निर्णय लिया। इससे लोगों को विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध होंगी। इसके अलावा पहले से कार्यरत चिकित्सकों को विशेषज्ञ के पद पर चयनित होने पर उनकी पूर्व सेवाएं और पेंशन के लिए फायदा होगा।

महिलाओं के लिए सुरक्षित पर्यटन स्थल कार्यक्रम चलेंगे

महिलाओं के लिए सुरक्षित पर्यटन स्थल कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इसके लिए तीन वर्ष के लिए 27 करोड़ 98 लाख 66 हजार 706 रुपए की राशि व्यय करने की स्वीकृति दी गई।

ये भी लिए गए फैसले

- कोरोना से निपटने तात्कालिक एवं आकस्मिक व्यय अनुमति
- महामारी के रोकथाम के क्रम में मजदूरों की यातायात व्यवस्था और राहत शिविरों के संचालन के लिए 52 जिलों को खर्च की राशि का अनुमोदन
- वर्ष 2020 में लॉकडाउन के दौरान अन्य राज्यों में फंसे श्रमिकों को प्रदेश में ट्रेनों के माध्यम से लाने के लिए की गई कार्यवाही का अनुमोदन।
- लॉकडाउन के दौरान राज्य के ऐसे मजदूर, जो अन्य राज्यों में फंसे थे उन्हें 1000 रुपए की राशि दी गई थी। यह राशि मुख्यमंत्री प्रवासी मजदूर सहायता योजना के अन्तर्गत मंजूर।
- लॉकडाउन के दौरान वाहन तहसीलदारों को एक अप्रैल से 31 मई 2020 तक दो माह के लिए किराए के वाहन के लिए जाने की स्वीकृति।

पीपुल्स समाचार
26-5-21

गंभीर मरीजों को अस्पतालों में आसानी से मिलने लगे बेड

सुधरते हालात ● मंगलवार को 12 नए मरीज भर्ती और 36 मरीज डिस्चार्ज हुए

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। जिले में बेकाबू कोरोना का कहर अब धीरे-धीरे काबू में आ रहा है। लगातार नए संक्रमितों की संख्या घटती जा रही है, वहीं स्वस्थ होने वालों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। शासकीय मेडिकल कालेज सहित निजी अस्पतालों में गंभीर मरीजों को आसानी से बेड उपलब्ध होने लगे हैं। कोरोना के उपचार में उपयोग आने वाली दवाइयां और इंजेक्शन भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होने लगे हैं। संक्रमण की रोकथाम के लिए शासन-प्रशासन द्वारा लाकडाउन का कड़ाई से पालन करवाया जा रहा है।

जिले में बीते एक पखवाड़े से लगातार नए पाजिटिव केस में कमी आ रही है। एक दिन में 400 के करीब पहुंचा नए संक्रमितों का आंकड़ा अब 100 के अंदर आ गया है। स्वस्थ होने वालों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है। इससे एक्टिव केस लगातार घट रहे हैं। मई के 23 दिनों में अब तक कुल 3309 नए संक्रमित सामने आए हैं, वहीं 4263 मरीज स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। 67 लोगों की मौत हुई है। मंगलवार को 12 नए मरीज भर्ती और 36 मरीज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुए।

गंभीर मरीजों को अस्पतालों में आसानी से मिलने लगे बेड

सुधरने लगी स्थिति : नए संक्रमितों में कमी, स्वस्थ होने वालों की संख्या बढ़ी

मेडिकल कालेज में 21 मई को बेड की स्थिति

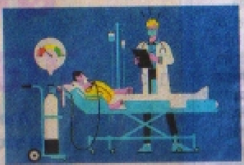

टोटल बेड : 550
आइसीयू : 56-56
एचडीयू : 172-172
आक्सीजन बेड : 162-180
नान आक्सीजन बेड : 017-142
रिक्त बेड : 143

मेडिकल कालेज में 22 मई को बेड की स्थिति

टोटल बेड : 550

उपयोग किए	उपलब्ध
आइसीयू : 56	56
एचडीयू : 166	172
आक्सीजन बेड : 105	180
नान आक्सीजन बेड : 002	142
रिक्त बेड : 221	

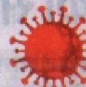

मेडिकल कालेज में 23 मई को बेड की स्थिति

टोटल बेड : 550

उपयोग किए	उपलब्ध
आइसीयू : 56	56
एचडीयू : 152	172
आक्सीजन बेड : 085	180
नान आक्सीजन बेड : 012	142
रिक्त बेड : 245	

मेडिकल कालेज में 24 मई को बेड की स्थिति

टोटल बेड : 550

उपयोग किए	उपलब्ध
आइसीयू : 56	56
एचडीयू : 152	172
आक्सीजन बेड : 085	180
नान आक्सीजन बेड : 015	142
रिक्त बेड : 242	

अब आइसीयू बेड भी खाली होने लगे

सैलाना रोड पर बंजली स्थित शासकीय मेडिकल कालेज में 21 मई से गंभीर मरीजों को आक्सीजन बेड आसानी से उपलब्ध हो रहे है। इसके पहले यहां सहित निजी अस्पतालों में गंभीर मरीजों को आसानी से बेड उपलब्ध नहीं हो पा रहे थे। अब स्थिति सुधरने लगी है। मंगलवार 00 नए मरीज भर्ती और 00 मरीज डिस्चार्ज हुए। डीन डा. जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि मेडिकल कालेज हास्पिटल में कुल बिस्तरों की संख्या 550 है। आइसीयू बेड 56 में से 54 पर पेशेंट है। एचडीयू में 172 बेड में 150 पर पेशेंट है। आक्सीजन बेड 180 में 68 पर पेशेंट है। नान आक्सीजन बेड 142 में से केवल दो पर पेशेंट भर्ती है। कुल 274 पेशेंट हास्पिटल में भर्ती है। इनमें 196 पाजिटिव तथा शेष सस्पेक्टेड या आक्सीजन लेवल वाले है। हास्पिटल में रिक्त बेड 276 है। रेमडेसिविर की स्थिति अनुसार टोटल रिसीव्ड 7146, डिस्ट्रीब्यूटेड 1557, कन्ज्यूम्ड 5507, करंट स्टाक 82 है।

सैलाना रोड पर बंजली स्थित शासकीय मेडिकल कालेज। ● नईदुनिया

265

ग्रामीण क्षेत्र में लापरवाही के कारण संक्रमण तेजी से फैल रहा है। अगर इसे रोकना है तो स्वयं भी जनजागरण अभियान चलाना पड़ेगा। दो गज की दूरी के साथ बचाव के लिए मास्क जरूरी है। ग्रामीण क्षेत्रों में टीकाकरण अभियान को प्राथमिकता देनी चाहिए।

-मनोज मेहता, अध्यक्ष, जन अभियान परिषद रिंगनोद

यह सुकून देने वाली खबर है कि कोरोना के केस अब कम होने लगे है। राज्य सरकार ने एक जून से रियायत देने की बात कही है, पर इसका कड़ाई से पालन होना चाहिए। बाजारों में भीड़ नहीं लगाना है। नंबर आने पर वैक्सीन जरूर लगवाएं।

– आकांक्षा निम्बे, छात्रा, इकबाल गंज जावरा

कोरोना से बचाव के लिए सही तरीके से मास्क पहनें। बार-बार हाथ धोएं और दो गज की दूरी का पालन करें। जरूरी काम न हो तो घर से बाहर नहीं निकलें। अगर कोई खांस या छींक रहा है तो उससे उचित दूरी बनाकर रखें। भ्रामक प्रचार से दूर रहें।

शकुंतला मांदलिया, गृहिणी, अरिहंत कालोनी जावरा

स्कूलों में टीचर-स्टाफ को भी पहले टीके लगाने चाहिए, ताकि स्कूल खुल सकें। वैसे तो बच्चे भी एक-दूसरे में संक्रमण फैला सकते हैं, लेकिन इन्हें बड़ों से ज्यादा खतरा है। सभी को वैक्सीन लग जाए उसके बाद सरकार को स्कूल खोलने के बारे में सोचना चाहिए।

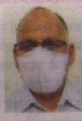

- अनिल काला, मित्र नगर कालोनी जावरा

कोरोना संक्रमण रोकने के लिए वैक्सीन लगवाना और मास्क पहनना जरूरी है संक्रमण के लक्षण नजर आने पर तुरंत डाक्टर से परामर्श लें। बेवजह घर से बाहर नहीं निकलें और शासन-प्रशासन द्वारा जारी गाइड-लाइन का कड़ाई से पालन करें।

- अनुकूल चौरड़िया, जावरा

यदि देश में संक्रमण की तीसरी लहर को रोकना है तो दो बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। एक तो जल्द से जल्द देश में सभी लोगों का टीकाकरण हो व दूसरा मास्क, शारीरिक दूरी जैसे कोरोना प्रोटोकाल को नहीं तोड़ना चाहिए।

- आलोक मोदी, व्यवसायी, सागर मोती परिसर जावरा

कोरोना यद्यपि कम हो गया है, लेकिन जब तक स्वास्थ्य मंत्रालय नहीं कहे, तब तक सभी को मास्क लगाना नहीं छोड़ना है। शारीरिक दूरी का पालन भी करना है। जरूरी काम होने पर ही घर से बाहर निकलें। कोविड-19 नियमों का पालन करें।

- राजेंद्र धारीवाल, चौपाटी जावरा

वैक्सीन लगवाने के बाद भी आपको कोविड-19 के नियमों का पालन करना है, क्योंकि कोरोना महामारी खत्म नहीं हुई है। वैक्सीन की एंटीबाडी विकसित करने में दो सप्ताह का समय लग सकता है। - श्रीकांत नाहटा, पेयर हाउस संचालक, नाहटा कालोनी चौपाटी जावरा

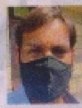

बच्चों के लिए बनेगा चालीस बेड का कोविड वार्ड

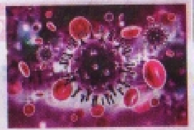

रतलाम। जिला अस्पताल की बाल चिकित्सालय यूनिट में बच्चों के लिए चालीस बेड का कोविड वार्ड बनेगा। शासन स्तर से चालीस बेड बनाने के जरूरी आवश्यकताओं की जानकारी मांगी गई है। जल्द वार्ड में सुविधाओं का विस्तार कर सभी बेड आक्सीजन से जुड़े होने के साथ अन्य उपकरणों से लैस होंगे। बच्चों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ उनके मनोरंजन का भी वार्ड में इंतजाम किया जाएगा, ताकि बच्चे मानसिक रूप से स्वस्थ रहें। स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर बच्चों पर भारी पड़ सकती है, इसलिए पहले से तैयारी की जा रही है। मालूम हो कि जिला अस्पताल में कोविड वार्ड चालू करने के बाद अब बच्चों के लिए अलग से कोविड वार्ड बनाने की तैयारी चल रही है। सिविल सर्जन डा. आनंद चंदेलकर ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार बच्चों के लिए अलग से कोविड वार्ड बनाया जाएगा। शासन द्वारा मांगी गई जानकारी भेज दी है।

अनुबंध होते ही आएगी सीटी स्कैन

जिला अस्पताल में सीटी स्कैन मशीन के लिए भवन लगभग तैयार हो गया है। अलग से विद्युत ट्रांसफर लगने वाला है। इसके बाद अस्थायी अनुबंध होगा और मशीन आ जाएगी। मशीन आने के बाद स्थायी अनुबंध होगा और सीटी स्कैन मशीन चालू हो जाएगी।

अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक 31 मई तक प्रक्रिया पूरी हो जाएगी और जून के पहले सप्ताह में मशीन चालू होने की पूरी संभावना है। इसके बाद जिला अस्पताल आने वाले मरीजों को एक नई सुविधा मिलने लगेगी, जिसका दो साल से इंतजार है।

15 मरीजों को घर जाकर दी मेडिसिन किट

रतलाम | नगर निगम के वार्ड वार दल लगातार होम आइसोलेशन में रहने वाले मरीजों तक मेडिसिन किट पहुंचा जा रहे हैं। मंगलवार को 15 को घर जाकर किट दी गई। इसके साथ दवाइयां लेने का तरीका भी बताया गया है। ई-दक्ष केंद्र से मंगलवार को 17 मरीजों की सूची मिली थी। इनमें से 15 मरीज घर मिल गए जबकि 2 को पहले ही किट मिल चुकी थी। इसके अलावा 32 किट मरीजों के परिजन को भी दी गई।

26-5-2021

मप्र में 3 लाख 2 हजार 641 मरीजों तक पहुंची मेडिकल किट

भोपाल ● मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के निर्देशानुसार होम आइसोलेट कोरोना मरीजों को मेडिकल किटों का वितरण लगातार जारी है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया है कि अभी तक 52 जिलों में 3 लाख 2 हजार 641 मेडिकल किट वितरित की जा चुकी हैं। मंत्री श्री सिंह ने बताया है कि 18 अप्रैल से 24 मई के मध्य नगरीय क्षेत्रों में फीवर क्लिनिक एवं होम डिलीवरी के माध्यम से 3 लाख 2 हजार 641 मेडिकल किट कोविड मरीजों को उपलब्ध कराई गई हैं।

18 अप्रैल को 12 हजार 583, 19 अप्रैल को 16 हजार 914, 20 अप्रैल को 11 हजार 465, 21 अप्रैल को 10 हजार 327, 22 अप्रैल को 11 हजार 76, 23 अप्रैल को 11 हजार 17, 24 अप्रैल को 10 हजार 658, 25 अप्रैल को 9 हजार 497, 26 अप्रैल को 9 हजार 360, 27 अप्रैल को 9 हजार 705, 28 अप्रैल को 11 हजार 141, 29 अप्रैल को 9 हजार 347, 30 अप्रैल को 8 हजार 958, 1 मई को 10 हजार 253, 2 मई को 9 हजार 112, 3 मई को 8 हजार 439, 4 मई को 9 हजार 301, 5 मई को 8 हजार 455, 6 मई को 8 हजार 866, 7 मई को 7 हजार 983, 8 मई को 7 हजार 746, 9 मई को 7 हजार 450, 10 मई को 7 हजार 248, 11 मई को 7 हजार 387, 12 मई को 7 हजार 931 ,13 मई को 7 हजार 388 ,14 मई को 6 हजार 618, 15 मई को 6 हजार 687 कोविड, 16 मई को 5 हजार 814, 17 मई को 5 हजार 401, 18 मई को 4 हजार 822,19 मई को 4 हजार 830, 20 मई को 5 हजार 28, 21 मई को 3 हजार 944, 22 मई को 3 हजार 640, 23 मई को 3 हजार 361 और 24 मई को 2 हजार 889 मरीजों को मेडिकल किट वितरित की गई हैं।

26-5-2021

अस्थायी खाद्यान्न पात्रता पर्ची के लिए अब तक 4132 आवेदन

रतलाम | लॉकडाउन में गरीब परिवारों तक खाद्यान्न पहुंचाने के लिए सरकार पात्र परिवारों को अस्थायी खाद्यान्न पात्रता पर्ची बनाकर दे रही है। इसके लिए 14 से 24 मई तक नगर निगम के चारों जोन कार्यालयों पर अब तक 4132 आवेदन आ चुके हैं। इनमें जोन एक में 876, जोन दो में 946, जोन तीन में 1062 और जोन चार में 1248 परिवारों ने पात्रता पर्ची के लिए फार्म भरा है। इनकी सत्यापन की कार्रवाई राशन-मित्र पोर्टल पर की जा रही है। आयुक्त सोमनाथ झारिया ने एनएफएसए 2013 के तहत 24 श्रेणी के परिवारों को पात्रता श्रेणी अंतर्गत सम्मिलित किया गया है। महामारी को लेकर चल रहे लॉकडाउन में गरीब परिवार तक खाद्यान्न पहुंचाने के लिए अस्थायी पात्रता पर्ची दी जा रही है। मापदंडों पर खरे उतरने वाले परिवार सफाई के जोन कार्यालय अलकापुरी कम्यूनिटी हॉल, अंबेडकर मांगलिक भवन पोलोग्राउंड, अमृतसागर उद्यान भवन और हरमाला सम्मेलन भवन पर सुबह 8 से शाम 5 बजे तक आवेदन कर सकते हैं।

रात में भी पकड़ेंगे मवेशी

रतलाम. अब तक दिन में शहर के मवेशियों को पकड़ने वाला नगर निगम का स्वास्थ्य विभाग रात में भी इन पर नजर रखेगा। अब तक तीन माह में 836 मवेशी पकड़े गए है व इनको बाहर की गौशाला में भेजा गया है। शहर के विभिन्न क्षेत्रों से 836 मवेशियों को पकड़ा जाकर जिले की विभिन्न गौशालाओं में भेजा गया। नगर निगम एक्ट की धारा 358 के तहत कोई भी व्यक्ति जो कि अपना पशु खुला छोड़ेगा व उससे किसी व्यक्ति या संपत्ति को नुकसान पंहुचता है तो पालक पर 500 रूपये का अर्थदण्ड किये जाने का प्रावधान है। मवेशी पालकों के घर जाकर निगम दस्ता अर्थदण्ड राशि रूपये 500 रुपए वसूल करेगा स्वच्छंद रूप से विचरण करने वाले मवेशियों को पकड़ने की कार्यवाही प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह, झोन प्रभारी किरण चौहान, पर्वत हाडे व स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा की गई। 5/11/21

4/11/21

कोरोना पर भारी पड़ी कड़ाई • 31 मई तक पॉजिटिविटी रेट शून्य करने का टारगेट लेकर काम कर रही अफसरों की टीम

राहत : 10 मई को 26.82% था पॉजिटिविटी रेट, मंगलवार को सबसे कम 4.58% पर आया

भास्कर संवाददाता | रतलाम

सख्ती : शहर में 183 कंटेनमेंट जोन बनाए, 248 गांव अब भी सील

असर : 15 दिन में 22.59 प्रतिशत लुढ़की संक्रमण दर

मई के पहले और दूसरे सप्ताह में बेकाबू होकर जिले को चपेट में ले रहा कोरोना वायरस अब काफी हद तक काबू आ चुका है। यह सब कोरोना कर्फ्यू की पाबंदियों और सख्ती का असर है। इससे 15 दिन में भी हालात पलट गए हैं। सोमवार को संक्रमण दर 4.58 प्रतिशत दर्ज की गई, जो 10 मई को सर्वाधिक 26.82 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। वायरस का फैलाव रुकने के बाद सख्तियां भी नरम पड़ने लगी हैं। शहर में मंगलवार के 8 सहित पांच दिन में अब तक 52 कंटेनमेंट जोन खोल जा चुके हैं। ग्रामीण अंचल के 129 गांव कोरोना मुक्त हो चुके हैं। सख्तियों और पाबंदियों में ढील नहीं दी गई है क्योंकि सरकारी अफसर 31 मई तक संक्रमण दर शून्य करने का टारगेट लेकर चल रहे हैं। ऐसा हो गया तो पहली जून से जिला अनलॉक होना शुरू हो जाएगा।

प्रतिबंध और छूट वही रहेगी जो चल रही- कलेक्टर ने मंगलवार को कोरोना कर्फ्यू की समय सीमा 31 मई सुबह 6 बजे तक के लिए बढ़ा दी है। इसमें किराना, दूध, सब्जी, होम सर्विस, दुकानें, ऑफिस, उद्योग, बैंक, पेट्रोल पंप आदि को लेकर प्रतिबंध और छूट वही रहेगी, जो फिलहाल चल रही है। ई-पास व्यवस्था को और सख्ती से लागू किया जाएगा। ई-पास के बिना किसी भी व्यक्ति का शहर में आना-जाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

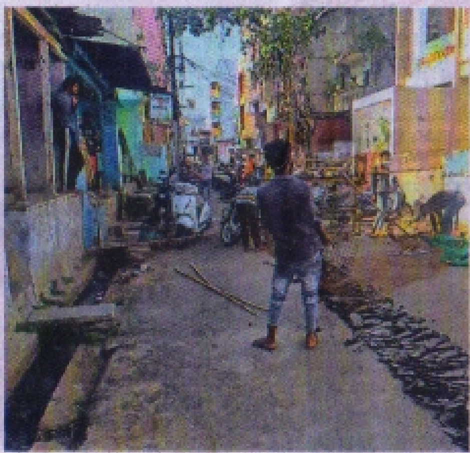

थावरिया बाजार क्षेत्र में कंटेनमेंट खोलते निगम कर्मचारी।

शहर में कब कितने कंटेनमेंट जोन खुले

20 मई	04	22 मई	13	25 मई	08
21 मई	13	24 मई	14	(52 कंटेनमेंट खुल)	

पॉजिटिविटी रेट का गिरता ग्राफ

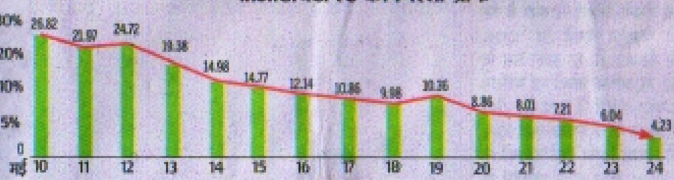

इन चार प्रमुख सख्तियों से काबू में आया कोरोना

1. शहर में कंटेनमेंट जोन

अब तक क्या किया - पॉजिटिव मरीज बाहर निकलकर संक्रमण न फैलाए इसके लिए 11 मई से मंगलवार तक 183 कंटेनमेंट जोन बनाए गए। जोन के परिवारों का स्वास्थ्य सर्वे किया, जिसमें भी कई पॉजिटिव मिले। मेडिसिन किट बांटकर हर रोज जोन में सैनिटाइजेशन किया।

क्यों पड़ी जरूरत - होम आइसोलेट गाइडलाइन का उल्लंघन कर बाहर घूम रहे थे।

2. गांवों को सील बंद किया

अब तक क्या किया - पांच से ज्यादा पॉजिटिव वाले गांवों को सील किया गया। 1054 गांवों में से 245 सील बंद हैं जबकि अब तक कुल 342 गांव संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। वहीं 129 गांव ऐसे भी हैं जिनमें कोरोना का खात्मा हो चुका है।

क्यों पड़ी जरूरत - मास्क, सैनिटाइजर और दो गज की दूरी का पालन नहीं कर रहे थे। विवाह सहित अन्य कार्यक्रम हो रहे थे।

3. स्वास्थ्य सेवा में कसावट

अब तक क्या किया - कांटेक्ट ट्रेसिंग बंद हो गई थी, उसे फिर से शुरू करवाया। घर-घर सर्वे करवाया। अब तक दो हजार से ज्यादा सर्दी-खांसी, बुखार के पीड़ित मिले हैं। गंभीर को अस्पताल पहुंचाया, सामान्य को मेडिसिन किट दी, इलाज किया।

क्यों पड़ी जरूरत - बुखार, सर्दी खांसी होने पर पहले लोग घर पर ही इलाज करवा रहे थे। गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज पहुंच रहे थे जिससे डेथ रेट बढ़ रहा था।

4. सख्ती और पाबंदियां

अब तक क्या किया - किराना सामग्री वितरण पर रोक, दूध वितरण के समय में बदलाव, ई-पास सिस्टम लागू कर पाबंदियां बढ़ाई। लगभग 36 दुकानों और बेवजह सड़कों पर घूमने वाले 480 से ज्यादा व्यक्तियों पर कार्रवाई की। राजस्थान बार्डर सील की।

क्यों पड़ी जरूरत - गाइडलाइन के बावजूद नियमों का उल्लंघन करते हुए लोग बहाने बनाकर बाहर निकल रहे थे।

कड़ाई ही कोरोना को रोकने का एकमात्र विकल्प था। इसके अच्छे परिणाम भी मिले हैं। जिले का पॉजिटिविटी रेट लगातार कम हो रहा है। कोरोना कर्फ्यू 31 मई तक रहेगा। इसमें सख्ती और पाबंदियां पूरी तरह लागू रहेंगी।
कुमार पुरुषोत्तम, कलेक्टर

सख्त लॉकडाउन, मॉनिटरिंग, मेडिकल फेसिलिटी में इजाफे के साथ कसावट, इन्हीं कारणों से कोरोना का असर कम हुआ है। ढिलाई नहीं बरतना है।
- चेतन्य काश्यप, विधायक

दै. भास्कर 26-5-2021

"किल कोरोना-3" अभियान के तहत 8 स्थानों पर कोविड सहायता केन्द्र का संचालन

रतलाम | शासन निर्देशानुसार कोविड-19 के परिदृश्य को दृष्टिगत रखते हुए " किल कोरोना-3" अभियान के तहत रतलाम नगर निगम सीमा क्षेत्र में 8 स्थानों पर कोविड सहायता केन्द्र का संचालन किया गया है जिसमें नगर निगम अधिकारी/कर्मचारी, मेडिकल ऑफिसर, आंगनवाड़ी सुपरवाईजर, स्टॉफ नर्स, एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की नियुक्ति की गई है।" किल कोरोना-3" अभियान के तहत वार्ड क्रमांक 33, 34, 35, 36 व 31 हेतु टीआईटी रोड डिस्पेंसरी, वार्ड क्रमांक 30, 31 व 32 हेतु जावरा रोड प्राथमिक स्कूल डी मॉर्ट रोड, वार्ड क्रमांक 27, 28 व 29 हेतु दिलीप नगर डिस्पेंसरी, वार्ड क्रमांक 20, 21, 22, 23, 24, 25, 44 व 45 हेतु मोती नगर प्राथमिक स्कूल, वार्ड क्रमांक 26, 37, 38, 39, 40, 41, 42 व 43 हेतु हाकिम वाड़ा डिस्पेंसरी, वार्ड क्रमांक 15, 16, 17, 18, 19, 46, 47, 48 व 49 हेतु सुभाष नगर कम्युनिटी हॉल, वार्ड क्रमांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7 व 8 अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गणेश नगर व वार्ड क्रमांक 9, 10, 11, 12, 13 व 14 हेतु रेडक्रास भवन बिरियाखेड़ी मेन रोड पर कोविड सहायता केन्द्र का संचालन किया गया है। उक्त केन्द्रो पर नियुक्त नगर निगम अधिकारी एवं कर्मचारियों हेतु निगम आयुक्त श्री सोमनाथ झारिया ने कार्यपालन यंत्री श्री जी.के. जायसवाल को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। इसके अलावा कोविड सहायता केन्द्र पर नियुक्त मेडिकल ऑफिसर, आंगनवाड़ी सुपरवाईजर, स्टॉफ नर्स, एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हेतु श्री नईम मोहम्मद खान प्रभारी ए.पी.एम. मो.नं. 9685330094 व श्री लोकेश वैष्णव प्रभारी बी.ई.ई. मो.नं. 7999606919 को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

26-5-2021

कोरोना पाजिटिविटी रेट पांच प्रतिशत से भी कम हुआ, जल्दी मिल सकती है लॉकडाउन से राहत

रतलाम। लम्बे समय से कोरोना के संकट से जूझ रहे जिले के लिए राहत भरी खबर है कि कोरोना की पाजिटिविटी दर अब पांच प्रतिशत से भी कम हो चुकी है। ऐसे में पूरी उम्मीद है कि लाक डाउन से राहत मिल जाएगी।

केवल 3.89 प्रतिशत रह गई थी। इसके साथ ही अब रतलाम जिला भी उन जिलों में शामिल हो गया है,जहां पाजिटिविटी दर पांच प्रतिशत से कम हो गई है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पूर्व में घोषणा कर चुके हैं कि जहां पाजिटिविटी दर पांच प्रतिशत से कम

अब भाजपा कार्यकर्ता कर रहे पात्रता पर्ची बनवाने में मदद

रतलाम. अस्थायी पात्रता पर्ची बनाने के कार्य में अब भाजपा के पदाधिकारियों ने मदद करना शुरू कर दी है। शहर में अब तक करीब 4500 ने आवेदन दिए हैं, जिनमे से करीब 445 आवेदन मंजूर किए गए है। शासन द्वारा अस्थाई पात्रता पर्ची बनाकर एपीएल परिवारों को तीन तीन माह का राशन वितरण की घोषणा की गई है। जिसके बाद ऐसे अनेक परिवारों को लाभ हो इसके लिए अपने आसपास के वार्डों के 800 से अधिक परिवारों के घर घर जाकर भाजपा दीनदयाल मंडल अध्यक्ष कृष्ण कुमार सोनी फार्म भर लोगों की सहायता कर कर रहे है। मंडल अध्यक्ष क्रमश: मयूर पुरोहित, नीलेश गांधी, करणधीर बड़गोत्या व आदित्य डागा इस कार्य में लगे हुए है। खाद्यान्न वितरण हेतु अस्थायी पर्ची बनाने हेतु 14 से 24 मई तक नागरिकों ने निगम के झोन क्रमांक 1 पर 849, झोन क्रमांक 2 पर 924, झोन क्रमांक 3 पर 1062 व झोन क्रमांक 4 पर 1180 इस तरह कुल 4015 आवेदन जमा किए। निगम के अनुसार प्राप्त आवेदनों के पात्र परिवारों के सत्यापन की कार्यवाही का कार्य राशन-मित्र पोर्टल पर जारी है।

बढ़ते कदम : नौकरी के लिए आयु सीमा का बंधन नहीं रहेगा, बैठक में सीएम बोले- विशेष परिस्थितियों के लिए छूट देना जरूरी

कोविड 19 अनुकंपा नियुक्ति योजना को शिवराज कैबिनेट की मंजूरी

भोपाल » सिटी रिपोर्टर

मध्यप्रदेश में कोविड से मरने वाले कर्मचारियों के लिए सरकार नई योजना लागू करने जा रही है। इसके तहत कोरोना से मरने वाले कर्मचारियों के परिवार वालों में से किसी एक को समान पद पर नियुक्ति दी जाएगी। शिवराज कैबिनेट ने मंगलवार को इस योजना को कुछ संशोधन के साथ मंजूरी दे दी है। अब इस योजना से अनुकंपा नियुक्ति के लिए आयु सीमा का बंधन हटा लिया गया है।

अनुकंपा नियुक्ति पाने वाले की उम्र 55 साल भी है तो उसे नौकरी पर लिया जाएगा

मंत्रालय सूत्रों ने बताया कि सामान्य प्रशासन विभाग ने योजना के प्रस्ताव में अनुकंपा नियुक्ति के लिए पात्र पत्नी के लिए आयु सीमा का बंधन समाप्त करने तथा पुरुष के लिए मौजूदा अनुकंपा नियम में तय आयु सीमा में 5 साल की छूट देने का प्रावधान किया था। लेकिन बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि विशेष परिस्थितियों के लिए छूट देना जरूरी है। इसलिए पुरुषों के लिए बंधन को हटाया जाए। यानी अब इस योजना के तहत अनुकंपा नियुक्ति पाने वाले की उम्र 55 साल भी है तो उसे नौकरी पर लिया जाएगा।

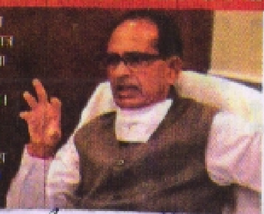

पहले आयु सीमा 40 साल थी

बता दें कि प्रदेश में 29 सितंबर 2014 को संशोधित अनुकंपा नियुक्ति के नियम लागू किए थे। इसके मुताबिक सामान्य वर्ग के लिए अधिकतम आयु सीमा 40 साल तय है, जबकि अनुसूचित जाति व जनजाति के लिए 5 और पिछड़ा वर्ग के आवेदक के लिए 3 साल की छूट का प्रावधान है। हर वर्ग की महिलाओं के लिए 5 साल की छूट का प्रावधान है, लेकिन कोविड 19 अनुकंपा नियुक्ति योजना में आयु का बंधन नहीं रहेगा।

सभी को मिलेगा लाभ

योजना का लाभ सभी नियमित, स्थाई कर्मचारी, कार्यभारित और आकस्मिक निधि से वेतन पाने वाले, दैनिक वेतन भोगी, संविदा, कलेक्टर दर पर कार्यरत कर्मचारियों को मिलेगा। इसी तरह कोविड-19 विशेष अनुग्रह योजना के तहत पीड़ित परिवार को 5 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। यह राशि उनके परिवार का संबल बनेगी। इसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, कोटवार भी योजना में शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री ने निर्माण श्रमिकों को 112 करोड़ 81 की आपदा सहायता राशि अंतरित की

कोरोना से लड़ते रहेंगे व काम-धंधा भी करते रहेंगे

भोपाल ● 25 मई (ब्यूरो)

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा है कि आगामी एक जून से प्रदेश में धीरे-धीरे कोरोना कर्फ्यू समाप्त किया जाएगा। ऐसे में आपको पूरी सावधानी रखनी है। मास्क लगाना है, एक-दूसरे से दूरी रखनी है, कहीं भीड़ नहीं करनी है, बार-बार हाथ धोने हैं। सबको टीका लगवाना है। इन सब सावधानियों का पालन करते हुए हम कोरोना से लड़ते भी रहेंगे और काम-धंधा भी करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान आज मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के निर्माण श्रमिकों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इसके पूर्व प्रदेश के 11 लाख 28 हजार निर्माण श्रमिकों के खाते में कोविड-19 सहायता योजना के अंतर्गत 112 करोड़ 81 लाख रुपए की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की। इस अवसर पर श्रम एवं खनिज संसाधन मंत्री ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

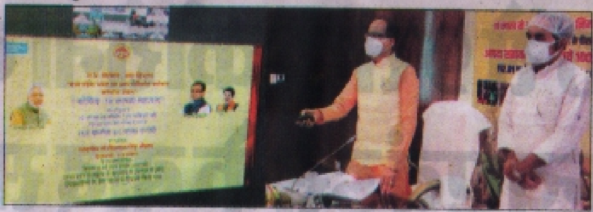

आपका भाई आपके साथ खड़ा है - मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार कोविड उपचार योजना में कोरोना का निःशुल्क इलाज कर रही है। आयुष्मान कार्डधारी व्यक्ति एवं उसके परिवार को वर्ष में पांच लाख रुपए तक सम्बद्ध निजी अस्पतालों में निःशुल्क इलाज की सुविधा दी गई है। इसके अलावा सभी शासकीय अस्पतालों एवं अनुबंधित अस्पतालों में भी कोरोना का निःशुल्क इलाज हो रहा है। प्रदेश में कोरोना से माँ-बाप की मृत्यु पर बच्चों को पांच हजार रुपए मासिक पेंशन देने की योजना भी चालू की गई है। सरकार संकट के समय पूरी तरह आपके साथ है। आपका भाई आपके साथ खड़ा है।

गुस्सा तो नहीं हो अपने भाई से - मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से टीकमगढ़ जिले के निर्माण श्रमिक श्री परीक्षित अहिरवार, इंदौर की श्रीमती शशि वर्मा, मंडला की श्रीमती गिरिजा वनवासी, भिंड के श्री प्रसाद राठौर तथा सीहोर की श्रीमती लता मालवीय से बातचीत भी की। उन्होंने पूछा कि कोरोना के दौरान पाबंदियां लगाने पर वे अपने भाई से गुस्सा तो नहीं हैं। यदि कोरोना कर्फ्यू नहीं लगाया जाता तो प्रदेश में कोरोना संक्रमण नियंत्रित नहीं होता। यह जरूरी था। अब कोरोना नियंत्रित हो गया है, अतः हम धीरे-धीरे पाबंदियां खत्म करेंगे।

शहर में छह वाहनों से फलों की होम डिलीवरी होगी

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। 31 मई सुबह छह बजे तक जिले में कोरोना कर्फ्यू लागू रहेगा। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने इस संबंध में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए गए हैं। पूर्व में जारी आदेशानुसार सभी अपने प्रतिष्ठान बंद रखेंगे तथा घरों में ही रहेंगे।

अत्यधिक सेवा वाले विभाग यथा राज्य स्वास्थ्य, पुलिस, विद्युत, दूरसंचार, नगर निगम, पंचायत, रेलवे, बैंक आदि विभाग इससे मुक्त रहेंगे। समस्त मेडिकल एवं आयुर्वेदिक दुकान प्रातः 10 से शाम चार बजे तक खुली रहेगी। शासकीय चिकित्सालय एवं निजी अस्पतालों के 100 मीटर की परिधि की मेडिकल दुकान 24 घंटे खुली रखने की अनुमति रहेगी तथा ग्रामीण क्षेत्र की समस्त मेडिकल दुकानें खुली रह सकेंगी।

फल विक्रेताओं द्वारा निर्धारित संख्या में चार पहिया वाहन से ही सप्ताह में सोमवार, बुधवार, शुक्रवार प्रातः11:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक होम डिलीवरी की जा सकेगी। वितरण किया जा सकेगा।

रतलाम शहर में छह वाहन व जावरा नगर पालिका में तीन वाहन अन्य नगरी निकाय में दो-दो चार पहिया वाहन की अनुमति रहेगी। प्रातः छह से नौ बजे तक व शाम 5:30 बजे से रात्रि 8:30 बजे तक दूध वितरण की अनुमति रहेगी। टीकाकरण, आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए नजदीकी केंद्र पर आने-जाने की अनुमति रहेगी। शेष प्रतिबंध पूर्व की तरह रहेंगे।

रतलाम

दैनिक भास्कर

मिली थोड़ी राहत : लोडिंग वाहनों से सिर्फ आलू व प्याज की बिक्री शुरू, दूसरी सब्जियां फिर भी नहीं मिल पाएंगी

- सप्ताह में तीन दिन मिलेंगे आलू और प्याज, भाव 20 रुपए प्रतिकिलो तय किए
- 10 मैजिक चालकों के पिछले साल के साठ हजार बकाया अब तक नहीं मिले

दोनों का भाव 20-20 रुपए किलो तय हुआ

भास्कर संवाददाता | रतलाम

कोरोना कर्फ्यू में लोगों को परेशान ना होना पड़े इसके लिए जिला प्रशासन ने शहर में आलू और प्याज की बिक्री शुरू कर दी है। इसके लिए लोडिंग वाहन लगाए हैं जो मोहल्लों और कॉलोनियों में घूम कर आलू और प्याज बेचेंगे। यह 20-20 रुपए प्रति किलो में मिलेंगे। कोरोना कर्फ्यू के बीच आपको आलू और प्याज से ही काम चलाना पड़ेगा। क्योंकि जिला प्रशासन ने सब्जी का वितरण की व्यवस्था तो फिर भी शुरू नहीं की है।

आलू और प्याज लोगों तक पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन ने दिन तय किए हैं। सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को आलू और प्याज मिलेंगे। वितरण के लिए हर थाना क्षेत्र में दो-दो वाहन लगाए हैं। इस तरह चारों थानों क्षेत्रों में 8 वाहन लगाए हैं। सुबह 11 से रात 8 बजे तक इनका वितरण होगा।

यह अच्छी बात है लेकिन जिला प्रशासन अन्य सब्जी की बिक्री भी शुरू करवाए

सज्जन मिल रोड निवासी राकेश आचार्य ने बताया प्रशासन ने आलू और प्याज की बिक्री शुरू की है। यह अच्छी बात है लेकिन जिला प्रशासन को सब्जी की बिक्री भी शुरू करना चाहिए क्योंकि पहले जो फेरी लगाकर चुपके से सब्जी बेचने आ रहे थे। उन्हें भी प्रशासन ने बंद करवा दिया। शहर सब्जी के लिए परेशान है और जिला प्रशासन को जनता की परवाह नहीं है।

लोडिंग वाहन में आलू और प्याज बेचता व्यापारी।

विधायक ने भी राशि दिलवाने का दावा किया पर नहीं मिली

इधर पिछले साल सब्जी की होम डिलीवरी के लिए जो मैजिक लगाई थी। उनका पैसा भी अब तक मैजिक चालकों को नहीं मिल पाया है। इससे मैजिक चालक आज भी पैसों के लिए परेशान हो रहे हैं। 10 मैजिक चालकों का 60 हजार रुपए बकाया है। मैजिक-टेम्पो यूनियन के संरक्षक राजकुमार जैन लाला ने बताया पिछले साल के लॉकडाउन में होम डिलीवरी के लिए मैजिक लगाई थी। इसमें से 10 मैजिक की राशि अब तक नहीं मिल पाई है। पांच महीने पहले शहर विधायक को राशि के लिए हमारे प्रतिनिधि मंडल ने ज्ञापन सौंपा था। तब उन्होंने जल्द राशि दिलाने की बात कही थी लेकिन अब तक नहीं मिल पाई है। यूनियन के किशन यादव, इस्माइल खान, श्याम लाल व्यास, अब्दुल हमीद, जुल्फिकार शेख, सुरेश राठौड़, मुकेश टांक, संजय सोलंकी, मनीष जाट, किशोर यादव, निसार भाई सहित अन्य ने बकाया राशि दिलवाने की मांग की है।

रतलाम पत्रिका

नगर निगम ने शहर के 170 क्षेत्रों में किया दवा छिड़काव

रतलाम. कोविड-19 कोरोना वायरस के फैलाव को रोकने के लिए जहां जहां कोरोना के मरीज आ रहे हैं वहां पर दवा का छिड़काव नगर निगम कर रही है। इस कार्य की समीक्षा प्रतिदिन शाम को कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम स्वयं कर रहे हैं। शहर में करीब 170 क्षेत्र में इस प्रकार का छिड़काव हो रहा है। नगर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार नगर के विभिन्न क्षेत्रों में कोरोना संक्रमित मरीज पाए जाने पर बनाये गये कन्टेनमेंट क्षेत्रों में फायर लॉरी, ट्रेक्टर ट्रॉली व हैण्ड स्प्रे मशीन से सेनेटाईजेशन किया जा रहा है।

4 [illegible] 26-5-2021

नगर के विभिन्न क्षेत्रों को फायर लॉरी से किया सेनेटाईज

रतलाम | रतलाम नगर के नागरिकों को कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाने हेतु जिला कलेक्टर श्री कुमार पुरुषोत्तम के निर्देशानुसार निगम के विभिन्न वाहनों के माध्यम से सोडियम हाईपोक्लोराईड से सेनेटराईज किया जा रहा है साथ ही माईक्रो कन्टेनमेंट क्षेत्रों में भी हैण्ड मशीन से सेनेटाईजेशन किया जा रहा है। नगर निगम द्वारा प्रतिदिन फायर लॉरी व ट्रेक्टर ट्रॉली से नगर के विभिन्न क्षेत्रों की सड़कों, गलियों, भवन आदि को 1 प्रतिशत सोडियम हाईपोक्लोराईड मिलाकर 1 लाख लीटर से सेनेटराईज किया जा रहा है। 23 मई को फायर लॉरी व ट्रेक्टर ट्रॉली से मेडिकल कालेज, भक्तन की बावड़ी मुक्तिधाम, त्रिवेणी मुक्तिधाम, स्नेह नगर 80 फीट रोड, मोहन नगर, कस्तुरबा नगर, इन्द्रा नगर सहित नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सेनेटाईजेशन किया गया। इसके अलावा 14 व्यक्तियों की टीम द्वारा हैण्ड मशीन के माध्यम से मेडिकल कॉलेज, माईक्रो कन्टेनमेंट क्षेत्र, कलेक्टोरेट, ई-दक्ष कार्यालय, नगर निगम कार्यालय सहित शासकीय कार्यालयों आदि में सेनेटराईजेशन का कार्य किया गया। नगर के सेनेटराईज किये जाने के साथ ही स्वास्थ्य विभाग अमले द्वारा नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई का कार्य किया जा रहा है व सफाई उपरान्त सफाई स्थल व नालियों में कीटनाशक दवा का छिड़काव किया जा रहा है। [illegible] 26-5-2021

[illegible] 26-5-2021

कोरोना पर नियंत्रण : रतलाम में बदलते हालातों पर मुख्यमंत्री ने जताई खुशी

सीएम ने वीसी में दिए आवश्यक निर्देश

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com 26-5-21

रतलाम. जिले में कोरोना नियंत्रण अपेक्षा अनुसार हो रहा है। यह खुशी की बात है। पूर्व की तुलना में रतलाम जिले में पॉजिटिविटी रेट डाउन हो रहा है। जिले को जीरो पॉजिटिविटी की ओर ले जाने के लिए सतत् मेहनत करते रहें। ये बात मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वीसी में कही। बैठक में सीएम ने कोविड केयर सेंटर पर व्यवस्था बेहतर करने के निर्देश दिए।

मेडिकल कॉलेज में ब्लैक फंगस के मरीजों का उपचार कराने की व्यवस्था करने का निर्देश दिए। साथ ही जिले में काम करने वाले अमले को बेहतर प्रयास के लिए बधाई भी दी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक में विधायकों के साथ कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम, एसपी गौरव तिवारी सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

ये जानकारी दी गई

रतलाम विधायक चैतन्य काश्यप ने जानकारी दी कि उनके द्वारा रेलवे हॉस्पिटल में आक्सीजन प्लांट लगाया जा रहा है। रतलाम शहर में ई पास की व्यवस्था के मॉडल को अन्य स्थान पर लागू किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि नर्सों की नियुक्ति में स्थानीय जिले में वरीयता दी जाए। विधायक डॉ. राजेन्द्र पांडेय ने कहा कि आसपास के जिलों में भी सख्ती बनी रहेगी तो एकरूपता रहेगी।

इंजेक्शन की व्यवस्था की जाए

ब्लैक फंगस को लेकर मेडिकल कॉलेज में अलग वार्ड तो बनाया जा रहा है लेकिन पर्याप्त इंजेक्शन की व्यवस्था की जाना चाहिए। कोरोना की तीसरी लहर की तैयारी के लिए रतलाम व जावरा हॉस्पिटल में बच्चों के लिए अलग वार्ड बनाया जाकर संसाधन उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है। ग्रामीण विधायक दिलीप मकवाना ने नामली व बिलपांक केंद्रों पर संसाधन उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

मेडिकल कॉलेज से 31 व्यक्ति डिस्चार्ज

मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल रतलाम से स्वस्थ होकर मंगलवार को 31 व्यक्ति अपने घर लौटे। डिस्चार्ज होते समय इन लोगों ने कोविड के नियमों का पालन करने तथा अपने परिजनों को भी सभी नियमों का पालन कराने का संकल्प लिया। डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि मेडिकल कॉलेज में 12 नए मरीज भर्ती हुए। हॉस्पिटल में कुल बिस्तरों की संख्या 550, आईसीयू बेड 56 में से 54 पर मरीज हैं। एचडीयू में 172 बेड में 150 पर मरीज हैं। ऑक्सीजन बेड 180 में 68 पर मरीज हैं। नॉन ऑक्सीजन बेड 142 में से 2 पर मरीज भर्ती हैं कुल 274 मरीज हॉस्पिटल में भर्ती हैं, इनमें 196 पॉजीटिव हैं तथा शेष सस्पेक्टेड या ऑक्सीजन लेवल वाले हैं। हॉस्पिटल में रिक्त बेड 276 हैं।

निर्माण श्रमिकों से वर्चुअल संवाद

सीएम शिवराज ने पूछा- कोरोना कर्फ्यू से गुस्सा तो नहीं हो...

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है, एक जून से प्रदेश में धीरे-धीरे कोरोना कर्फ्यू समाप्त किया जाएगा। ऐसे में आपको पूरी सावधानी रखनी है। कोरोना से आपको अपने गांव-शहर की खुद सुरक्षा करनी पड़ेगी। हम कोरोना से लड़ते भी रहेंगे और काम-धंधा भी करते रहेंगे।

उन्होंने बुधवार को यह बात निर्माण श्रमिकों से संवाद में कही। 11 लाख 28 हजार श्रमिकों के खाते में कोविड-19 सहायता योजना के तहत 112 करोड़ 81 लाख रुपए ट्रांसफर किए। सीएम ने टीकमगढ़ के श्रमिक परीक्षित अहिरवार, इंदौर की शशि वर्मा, मंडला की गिरिजा वनवासी, भिंड के प्रसाद राठौर तथा सीहोर की लता मालवीय से बातचीत की। पूछा कि कोरोना के दौरान पाबंदियां लगाने पर वे अपने भाई से गुस्सा तो नहीं हैं। यदि कर्फ्यू नहीं लगाया जाता तो प्रदेश में संक्रमण नियंत्रित नहीं होता। अब कोरोना नियंत्रित हो गया है, इसलिए हम धीरे-धीरे पाबंदियां खत्म करेंगे। क्राइसिस मैनेजमेंट समूह निर्णय करेंगे कि क्या खुले और कब-कब खुले।

अब सिर्फ तीन जिलों में 100 से ज्यादा नए केस

सीएम ने कहा है अनलॉक प्रक्रिया में पांच बातों का पूरा ध्यान रखें। शत-प्रतिशत व्यक्ति मास्क लगाएं। अधिक से अधिक टैस्ट कराए जाएं। किल-कोरोना अभियान जारी रहे। सर्दी, खांसी, बुखार के मरीज की पहचान कर तुरंत उपचार हो। जन-भागीदारी से कोरोना रोकथाम काम हो। अब तीन जिलों में ही 100 से ज्यादा नए केस हैं। इंदौर में 648, भोपाल में 529, ग्वालियर में 115 नए केस हैं।

पत्रिका
26-5-2021